संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस में आना चाहते थे भगवंत मान, मेरे डिप्टी बनने के लिए भी थे तैयार : नवजोत सिंह सिद्धू

नईदिल्ली, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा है कि मान कांग्रेस में शामिल होना चाहते थे। साथ ही उनका दावा है कि मान उनका डिप्टी बनने के लिए भी तैयार थे। हालांकि, आम आदमी पार्टी नेती की तरफ से इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिद्धू ने एक्स पर आधिकारिक हैंडल से इंटरव्यू का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें मान के कांग्रेस में शामिल होने की बात पर चर्चा जारी है। इसमें सिद्धू को कहते हुए सुना जा सकता है, भगवंत मान आए, पाजी मैं आपका डिप्टी बनने के लिए तैयार हूं, मुझे कांग्रेस में शामिल करा लो। अगर आप आम आदमी पार्टी में आते हैं, तो भी आपका डिप्टी बनने के लिए तैयार हूं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने उसको कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को वचनबद्ध है। यह मुमकिन नहीं है। अगर आप आना चाहते हैं छोटे भाई, तो वेलकम है। दिल्ली जाकर भाई से बात करो। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने पंजाब की आप सरकार के मुद्दे पर भी घेरा। उन्होंने कहा, वे विमान और महंगी गाड़ियों में चलते हैं, लेकिन कर्ज पंजाबियों को चुकाना पड़ता है। अटकलें हैं कि सिद्धू की भारतीय जनता पार्टी में वापसी हो सकती है। हालांकि, उन्होंने अब तक इसपर खुलकर कुछ नहीं कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह पंजाब कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं और बैठकों से भी दूरियां बना रहे हैं। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सिद्धू के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

पवार परिवार में नई सियासी तकरार! सुप्रिया सुले के गढ़ में अजित की पत्नी होंगी उम्मीदवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने चाचा शरद पवार के गढ़ में सेंध का प्लान बनाया है। मंगलवार को पार्टी ने कहा कि अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती से लोकसभा चुनाव उम्मीदवार बनाया जाएगा। खास बात है कि इस सीट पर सीनियर पवार की बेटी सुप्रिया सुले सांसद हैं। हालांकि, गठबंधन की तरफ से आधिकारिक उम्मीदवार का ऐलान बाकी है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा, एनसीपी कार्यकर्ताओं का मानना था कि पार्टी को उन क्षेत्रों में लड़ना चाहिए, जहां उसकी मजबूत उपस्थिति है। सत्तारूढ़ गठबंधन में एनसीपी बारामती से चुनाव लड़ेगी। एक बार अंतिम फैसला लिए जाने के बाद सुनेत्रा पवार बारामती से उम्मीदवार हो जाएंगी। खबरें हैं कि एनसीपी राज्य की 16 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। मंगलवार को एनसीपी ने इन सीटों की दो दिवसीय समीक्षा भी शुरू कर दी है। अगर सुनेत्रा यहां से आधिकारिक उम्मीदवार होती हैं, तो उनका सीधा मुकाबला सीनियर पवार की बेटी और अजित की चचेरी बहन सुप्रिया सुले से हो सकता है। हालांकि, अब तक शरद पवार कैंप ने भी उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया है। हालांकि, सुनेत्रा पवार की उम्मीदवारी को लेकर लंबे समय से चर्चाओं का दौर जारी था। वह लगातार क्षेत्र में दौरे कर रही थीं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रही थीं। तटकरे के इस ऐलान को एनसीपी की महाराष्ट्र में पहली आधिकारिक घोषणा माना जा रहा है। तटकरे का कहना है, अजित पवार ने बीते 40 सालों में बारामती के विकास के लिए काफी योगदान दिया है। भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-एनसीपी की तरफ से अब तक महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया गया है।

यूपी के सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ने की धमकी देने वाले आरोपी को छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने शनिवार की रात सुरक्षा मुख्यालय में फोन कर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ने की धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस ने कॉल लोकेशन ट्रेस करते हुए आरोपी को रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला शनिवार की देर रात का बताया जा रहा है। जब पुलिस सुरक्षा मुख्यालय पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ने की धमकी दी थी। बताया जा रहा है कि रात के करीब 10 बजे का वक्त था। उस वक्त सुरक्षा मुख्यालय में एक फोन कॉल आता है और ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल उस फोन को उठाता है। दूसरी तरफ से बोलने वाले शख्स के द्वारा यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ने की धमकी दी जाती है।

भूपेश बघेल का चुनाव लड़ना तय, कमलनाथ पर भी बढ़ेगा दबाव; कांग्रेस ने 6 राज्यों पर लगाई मुहर

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट आज आ सकती है। उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की गुरुवार को बैठक हुई। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित कई नेता शामिल हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जयपुर में पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्हें इस बैठक में ऑनलाइन शामिल होना था लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हो पाए। बताया जा रहा है कि पार्टी ने जिन 10 राज्यों पर चर्चा के लिए बैठक की उनमें से छह राज्यों के लिए उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दिया चुका है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, हमने केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, दिल्ली और लक्षद्वीप के लिए सीटों को अंतिम रूप दिया है... प्रक्रिया चल रही है, औपचारिक घोषणा बहुत जल्द की जाएगी। केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, दिल्ली और छत्तीसगढ़ सहित 10 राज्यों के 60 उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी देने के लिए सीईसी की बैठक हुई थी।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम का चुनाव लड़ना तय : सूत्रों के अनुसार कांग्रेस ने बैठक में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को राजनांदगांव सीट से और पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू को महासमुंद से मैदान में उतारने का फैसला किया है। वहीं पार्टी नेता ज्योत्सना महंत छत्तीसगढ़ के कोरबा और शिव डेहरिया जांजगीर-चांपा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। सीईसी की बैठक में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की लोकसभा उम्मीदवारी पर मोहर लगने से ज्यादातर वरिष्ठ नेताओं पर लोकसभा चुनाव लड़ने दबाव बढ़ गया है।

इन लोगों को भी चुनाव में उतार सकती है कांग्रेस : कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी अपने अन्य पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी लोकसभा के चुनावी मैदान में उतार सकती है। इनमें अशोक गहलोत, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इन नामों के अलावा, पार्टी सचिन पायलट, हरीश चौधरी, गोविंद सिंह डोटासरा, भंवर जितेंद्र सिंह, दीपेन्द्र हुड्डा, कुमारी शैलजा, रणदीप सुरजेवाला, किरण चौधरी और जीतू पटवारी जैसे बड़े नेताओं को भी चुनाव लड़ने के लिए कह सकती है। इनमें से अधिकांश नेता राज्य की राजनीति में काफी सक्रिय हैं तो वहीं कुछ राज्यसभा सांसद हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पिछले दिनों लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर बयान दिया था। उन्होंने साफ कहा था कि वे लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं। छिंदवाड़ा से चुनाव लड़ने के सवाल पर कमलनाथ ने कहा कि मैं चुनाव नहीं लडूंगा। उनके बेटे नकुलनाथ चुनाव लड़ेंगे। छिंदवाड़ा से 1980 से लोकसभा सांसद कमलनाथ पिछले दिनों भाजपा के साथ जाने की अटकलों को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उन्होंने इस तरह की खबरों का खंडन किया है। इस बीच पार्टी दिल्ली की चांदनी चौक, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय नहीं कर सकी। सूत्रों ने बताया कि चांदनी चौक में जेपी अग्रवाल, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित और महिला कांग्रेस प्रमुख अलका लांबा के नाम पैनल के सामने रखे गए। पूर्वोत्तर दिल्ली में डीपीसीसी अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली और उनके पूर्ववर्ती अनिल चौधरी के नाम शामिल हैं। बता दें कि इंडिया गठबंधन के तहत आप के साथ हुए सीट बंटवारे में कांग्रेस को दिल्ली की तीन सीटें मिली हैं।

राहुल गांधी की अमेठी पर सस्पेंस, केरल के लिए नाम तय : केरल के कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्य के उम्मीदवारों की सूची में कुछ चौंकाने वाले नाम होंगे। हालांकि उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम से शशि थरूर समेत ज्यादातर मौजूदा सांसदों को फिर से मैदान में उतारा जाएगा। केरल में पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी ने वायनाड सीट के लिए राहुल गांधी का नाम सुझाया है। पूरी संभावना है कि वायनाड से मौजूदा सांसद राहुल गांधी फिर से इसी सीट से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी वायनाड से चुनाव लड़ने के अलावा अपने पुराने क्षेत्र अमेठी में लौटेंगे या नहीं। सीईसी ने यूपी के उम्मीदवारों पर चर्चा नहीं की और यह देखना होगा।

बृजभूषण शरण सिंह भी मोदी परिवार का हिस्सा हैं? : जयराम रमेश

नईदिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कांग्रेस ने पांच सवाल पूछकर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की है। कांग्रेस के

वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश की महिलाओं के बारे में सवाल किए हैं। जयराम रमेश ने मणिपुर और महिला खिलाड़ियों के बारे में तीखे वार करते हुए कहा कि मणिपुर में एक साल से आभासी गृह युद्ध कि स्थिति बनी हुई है। सरकार इसके बारे में जानते हुए भी अनजान बनने की कोशिश कर रही है।

रमेश ने कहा, मणिपुर में हिंसा रोकने में राज्य और केंद्र दोनों की सरकारें नाकाम रही। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद महिलाओं को नग्न करके परेड करवाया गया। आखिर प्रधानमंत्री ने एक बार भी मणिपुर जाने का कष्ट क्यों नहीं उठाया? इसके बाद उन्होंने अगला सवाल किया कि महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को लेकर प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं?

उन्होंने तीखा हमला करते हुए कहा, क्या पीएम मोदी बृजभूषण को भी अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। तीसरा सवाल पूछते हुए रमेश ने कहा, मोदी हैं तो महंगाई है! महंगाई, विशेष रूप से खाने-पीने की चीज़ों के मामले में, देश भर की महिलाओं के लिए एक गंभीर मामला है। क्या प्रधानमंत्री के पास देश के परिवारों को लगातार बढ़ रही महंगाई की मार से बचाने के लिए कोई योजना है? रमेश ने कहा चौथा सवाल यह है कि, अन्याय-काल की एक पहचान भयंकर बेरोज़गारी संकट है। इसका एक गंभीर रूप से चिंताजनक परिणाम यह हुआ है कि नौकरी चाहने वाली महिलाएं, रोज़गार खोजने से हतोत्साहित होकर, वर्कफोर्स से पूरी तरह बाहर हो गई हैं। श्रम बल में महिलाओं का प्रतिशत अब डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल की तुलना में 20प्रतिशत कम है। यह एक ऐसा ट्रेड है जो अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक क्षमता को कमज़ोर कर सकता है। क्या प्रधानमंत्री के पास महिलाओं को आर्थिक मुख्यधारा में वापस लाने का कोई समाधान है? बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बारे में रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री ने 2014 में सत्ता में आने के तुरंत बाद बड़े ही जोर शोर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की थी। लेकिन ऐसा सामने आया है कि योजना का लगभग 80प्रतिशत बजट सिर्फ़ विज्ञापनों के लिए रखा गया है। क्या प्रधानमंत्री के पास कन्या भ्रूण हत्या रोकने और महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कोई सार्थक विज़न है? या उनके लिए यह मुद्दा भी सिर्फ़ विज्ञापनों में अपना चेहरा चमकने और खुद की ब्रांडिंग के लिए है।

लोकसभा चुनाव से पहले सीएम भजनलाल के लिए चुनौती बनीं करणी सेना

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले क्षत्रिय करणी सेना ने भजनलाल सरकार की चुनौती बढ़ा दी है। करण सेना का कहना है कि आरोपियों का एनकांउटर किया जाए। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज सिंह शेखावत ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के 90 दिन बीत गए, लेकिन आज भी हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हुई। यहां तक कि जिस हथियार से उनकी हत्या की गई। एनआईए आज तक उस हथियार को ढूंढ नहीं पाई। उन्होंने सरकार से मांग की है कि हत्या करने वालों की जल्द गिरफ्तारी की जाए और उनका एनकाउंटर किया जाए। बता दें हाल ही में राजधानी जयपुर में चित्रकूट स्टेडियम में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था। इस श्रद्धांजलि सभा में समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा के बाद समाज के लोगों ने विधानसभा घेराव का ऐलान किया था लेकिन पुलिस की ओर से आश्वासन मिलने के बाद घेराव स्थगित कर दिया गया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर क्राइम कुंवर राष्ट्रदीप ने समाज की ओर से ज्ञापन लिया और यह आश्वासन दिया कि उनकी मांगे सरकार तक पहुंचा दी जाएगी। क्षत्रिय करणी सेना और समाज की ओर से 15 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। चित्रकूट स्टेडियम में क्षेत्रीय करणी सेना की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा में गोगामेड़ी की याद में दो मिनट का मौन रखा गया।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के तेवर पड़े नरम, बागियों से बातचीत का दिया सुझाव

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांग्रेस के बागी विधायकों के प्रति अपना रुख नरम दिखाया है। कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक के लिए दिल्ली जाने से पहले सुक्खू ने पिछले सप्ताह पार्टी के छह बागियों द्वारा उत्पन्न राजनीतिक संकट से बाहर निकलने के लिए 'बातचीत' का सुझाव दिया है। हालांकि, कुछ दिन पहले सुक्खू ने सोलन में एक जनसभा में इन बागियों को 'काले नाग' तक कह दिया था।

सुक्खू ने पिछले हफ्ते हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले कांग्रेस के बागियों के प्रति गुरुवार को अपना रुख नरम करते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उसने राज्य में उनकी सरकार को 'अस्थिर' करने के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया था। उन्होंने यह आरोप राज्य कैबिनेट की बैठक में लगाया। बैठक से बाहर निकलते हुए, उन्होंने कहावत

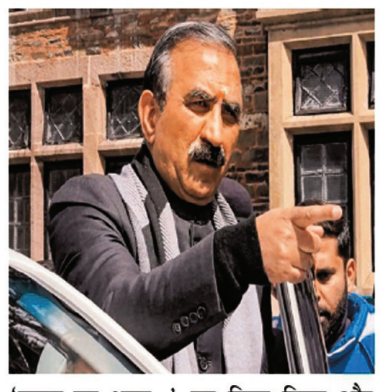

'सुबह का भूला...' का जिक्र किया और बातचीत के माध्यम से संकट को हल करने की संभावना जताते हुए इसका सुझाव दिया। सुक्खू ने संवाददाताओं से कहा, ''सुबह का भूला अगर कोई गलती करता है और बातचीत का रास्ता निकलता है तो देखा जाएगा। पिछले हफ्ते, छह कांग्रेस विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों ने राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन को वोट दिया था, जिससे पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी की हार हुई थी। बाद में, कांग्रेस की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने के मामले में छह विधायकों को सदन से अयोग्य घोषित कर दिया था। बागियों - जिनमें से एक को कांग्रेस सचिव पद से भी हटा दिया गया था - ने स्पीकर के कदम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक बयान में कहा गया कि राज्य कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ने केंद्र द्वारा 'लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने के लिए सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नष्ट करने के लिए भाजपा के नापाक मंसूबों' की निंदा की। बयान में कहा गया है कि कैबिनेट ने राज्य के लोगों को भाजपा के कारनामों के बारे में जानकारी देने का संकल्प लिया और 'एक स्वर में कहा कि राज्य सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।' सुक्खू ने कुछ दिन पहले सोलन में एक सार्वजनिक बैठक में छह बागियों को 'काले नाग' की संज्ञा दी थी। मुख्यमंत्री ने इससे एक दिन पहले यह आरोप लगाया था कि बागियों ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को धोखा दिया है। इसके बाद उन लोगों के प्रति सुक्खू के रुख में स्पष्ट नरमी दिखी है। उन्होंने बुधवार को कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा नहीं था कि जिले (उनके गृह क्षेत्र हमीरपुर) के कुछ विधायक पार्टी के खिलाफ जाएंगे और जिले में विकास की गति में बाधा डालेंगे। हिमाचल के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बागियों और कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व के बीच मध्यस्थता की है। विक्रमादित्य सिंह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के बेटे हैं। बुधवार को जब उनसे बागियों के पार्टी में वापस आने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''राजनीति में सब कुछ संभव है।

बाबा खाटू श्याम लक्खी मेला 11 मार्च से, इस बार पूरे मेला क्षेत्र को आठ सेक्टर में बांटा गया

सीकर, एजेंसी। राजस्थान की सीकर जिला स्थित खाटूधाम में 11 मार्च से भरने वाले 11 दिवसीय फाल्गुनी लक्खी मेले की तैयारियों को लेकर अब प्रशासन मैराथन तैयारी शुरू कर दी है। इस बार पूरे मेला क्षेत्र को आठ सेक्टर में बांटा गया है। 10 मार्च की शाम से रींगस-खाटू मार्ग को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। मेले में लगने वाले भंडारों की अनुमति मेला मजिस्ट्रेट जारी करेंगे। अवैध भंडारों व मार्गों पर अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए तहसीलदार के नेतृत्व में एक टीम निगरानी रखेगी। मेले के दौरान डीजे पर पूर्णतया पाबंदी रहेगी। पालिका को सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। रींगस से खाटू रोड पर पदयात्रा मार्ग से अतिक्रमण को हटाने व सफाई व्यवस्था के लिए कलक्टर ने पालिका, पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों, पुलिस व मंदिर कमेटी आदि को दर्शन मार्ग, चिकित्सा, सड़क, पानी, सुलभ, अग्निशमन आदि व्यवस्थाओं को समय पर दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

ऐसे समझें लक्खी मेले की नई व्यवस्थाओं को : कलक्टर ने कहा कि

मेला अवधि में सरकारी वाहन पार्किंग शुल्क निशुल्क रहेगा। रींगस रोड पर सभी वाहनों का सरकारी पार्किंग 52 बीघा में रहेगी। पालिका पार्किंग ठेकेदार सौरभ महला ने पार्किंग निशुल्क करने से नुकसान होने की बात कही। इस पर कलक्टर ने कहा कि हर मेले में पार्किंग निशुल्क होती है। उन्होंने पालिका को पार्किंग स्थल पर सुलभ शौचालय व पानी की व्यवस्था करने व रोशनी के लिए हाइमास्ट लाइट के लिए पीडब्ल्यूडी व पालिका को निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर कमर चौधरी ने कहा कि हादसों को रोकने व परेशानी से बचने के लिए इसबार मेले में आठ फीट से ऊंचे निशान पर पूर्णतया पाबंदी रहेगी। पुलिस के निर्देशन में टीम रींगस-खाटू आदि स्थानों पर बड़े निशान बेचने वालों को भी पाबंद करेगी। उन्होंने बताया कि लक्खी मेले में इत्र की कांच की छोटी शीशी पर मेले सहित अन्य दिनों पर पूर्णतया पाबंदी रहेगी। इस बार दर्शन व्यवस्था को लेकर कलक्टर ने लखदातार मैदान से मोक्षधाम तक तीन लाइन और मोक्षधाम से कुमावत कृषि फार्म के नए रास्ते पर पांच बेरिकेट्स की लाइन लगाने, जिसमें रोगी वाहन व आवश्यक सेवा के लिए अलग लाइन बनाने सहित दिव्यांगों के लिए लाइन रखने के निर्देश दिए।

जाति के आधार पर भेदभाव के लिए अकेले वर्ण व्यवस्था जिम्मेदार नहीं : हाई कोर्ट

चेन्नई, एजेंसी। हम जिस जाति व्यवस्था को आज जानते हैं, उसका इतिहास एक सदी से भी कम का है। इसलिए जाति के आधार पर समाज में पैदा हुए विभाजन और भेदभाव के लिए पूरी तरह वर्ण व्यवस्था को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। मद्रास हाई कोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन की ओर से सनातन धर्म पर दिए बयान को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अहम टिप्पणी की। जस्टिस अनीता सुमंत ने कहा कि यह माना जा सकता है कि जाति व्यवस्था के चलते भेदभाव हो रहा है। लेकिन इस व्यवस्था का इतिहास एक शताब्दी से भी कम का है। यही नहीं अदालत ने कहा कि तमिलनाडु में 370 पंजीकृत जातियां हैं। अलग-अलग जातियों के बीच अकसर तनाव की स्थिति भी पैदा हो जाती है। लेकिन इसकी वजह सिर्फ जाति नहीं होती बल्कि उन्हें मिलने वाले फायदे भी होते हैं। अदालत ने कहा, हम मानते हैं कि समाज में जाति के आधार पर भेदभाव है और इसे खत्म किए जाने की जरूरत है। लेकिन हम जिस जाति व्यवस्था को आज जानते हैं, उसका इतिहास एक सदी से ज्यादा पुराना नहीं है। तमिलनाडु में ही 370 से ज्यादा रजिस्टर्ड जातियां हैं। उनके बीच भी कई बार इसलिए मतभेद होते हैं कि कोई कहता है कि हमारी उपेक्षा हो रही है और दूसरे को महत्व मिल रहा है। इस संघर्ष की एक वजह एक-दूसरे को मिल रहे फायदे भी होते हैं। जस्टिस अनीता सुमंत ने कहा कि जब ऐसी स्थिति है तो फिर पूरा दोष सिर्फ

प्राचीन वर्ण व्यवस्था पर ही कैसे मढ़ा जा सकता है। इसका जवाब हम तलाशेंगे तो ना में मिलेगा। अदालत ने कहा कि इतिहास में भी ऐसा होता रहा है कि लोग जाति के नाम पर एक-दूसरे पर हमला बोलते रहे हैं। बेंच ने कहा कि पुराने दौर की इन बुराइयों को खत्म करने के लिए यह जरूरी है कि लगातार सुधार किए जाएं। आत्मविश्लेषण हो और हम उन तरीकों के बारे में सोचें, जिनके जरिए भेदभाव खत्म किया जा सके। बेंच ने कहा, वर्ण व्यवस्था जन्म के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह लोगों के काम या पेशे पर आधारित थी। यह व्यवस्था इसलिए बनी थी कि समाज सुचारू रूप से काम कर सके। यहां लोगों की पहचान उनके काम से की जाती थी। यहां तक कि आज भी लोगों की पहचान काम के आधार पर ही होती है।

केदारनाथ धाम के 10 मई को खुलेंगे कपाट, चार धाम यात्रा में बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री की यह डेट

देहरादून, एजेंसी। चारधाम यात्रा से जुड़े मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। महाशिवरात्रि के अवसर पर केदारनाथ धाम के कपाट खोलने की तारीख का ऐलान हो गया है। ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट शुक्रवार 10 मई को सुबह सात बजे खुलेंगे। पांच मई को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में भैरवनाथ जी की पूजा सपन्न होगी। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी भोग मूर्ति छह मई को पंचकेदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से श्री केदारनाथ धाम प्रस्थान करेगी। विभिन्न पड़ावों से होकर नौ मई शाम को केदारनाथ धाम पहुंचेगी। शुक्रवार को शिवरात्रि के पर्व पर श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय की उपस्थिति में रावल आचार्य- वेदपाठियों ने श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में पूजा अर्चन, पंचांग गणना पश्चात श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की। इस दौरान श्री ओंकारेश्वर मंदिर को 11 क्विंटल फूलों से सजाया गया। दानीदाताओ ने श्रद्धालुओं के लिए भंडारा एवं प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने श्रद्धालुओ को शिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। कहा कि पिछले साल यात्रा में रिकार्ड तीर्थ यात्री श्री केदारनाथ धाम पहुंचे। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी मुख्यमंत्री पुष्कर

सिह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार तथा मंदिर समिति यात्री सुविधाओ हेतु प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। शीघ्र ही मंदिर समिति का दल केदारनाथ पहुंचकर यात्रा पूर्व तैयारियों का जायजा लेगा। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा हरीश गौड़ ने बताया कि आज ही भगवान केदार नाथ की पंचमुखी भोग मूर्ति के पंचकेदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से श्री केदारनाथ धाम प्रस्थान करने का कार्यक्रम भी घोषित किया गया। कार्यक्रम के अनुसार 5 मई को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ में भैरवनाथ जी की पूजा सपन्न होगी।भगवान केदारनाथ की पंचमुखी भोगमूर्ति 6 मई को श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से विभिन्न पड़ावों से होते हुए केदारनाथ धाम प्रस्थान करेगी। दिनांक 6 मई को प्रथम पड़ाव गुप्तकाशी 7 को द्वितीय पड़ाव फाटा 8 मई को तृतीय पड़ाव गौरीकुंड तथा 9 मई शाम को पंचमुखी डोली श्री केदारनाथ धाम पहुंच जायेगी। शुक्रवार 10 मई को सात बजे सुबह श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुल जायेंगे। श्री केदारनाथ द्वितीय केदार श्री मदमहेश्वर मंदिर के लिए पुजारीगणों को कार्य दायित्व दिया गया। श्री केदारनाथ धाम के लिए शिवशंकर लिंग पूजा का दायित्व संभालेंगे। श्री मदमहेश्वर हेतु टी गंगाधर लिंग पूजा का दायित्व निभायेंगे।